

中 国 历 代 幽 默 文 丛

机 警 言



河南人民出版社

主编 李维新

中國現代美術史

机警



中国历代幽默文丛



机警

主编 李维新

撰稿者 王士祥

张雷宇
毛雪

河南人民出版社

图书在版编目(CIP)数据

机警/李维新主编. — 郑州:河南人民出版社,
2002.4

(中国历代幽默文丛)

ISBN 7-215-04991-4

I. 机… II 李… III. 笑话—作品集—中国—古
代 IV. I276.8

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2001)第 098318 号

河南人民出版社出版发行

(地址:郑州市经五路 66 号 邮政编码:450002 电话:5723341)

新华书店经销

郑州文华印刷厂印刷

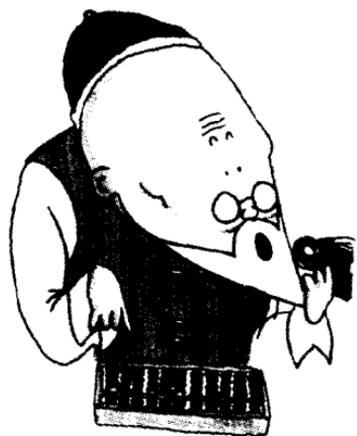
开本 787 毫米×1092 毫米 1/32 印张 7.375

字数 130 千字 印数 1-3 000 册

2002 年 4 月第 1 版

2002 年 4 月第 1 次印刷

定价:12.00 元



目 录

| | |
|------------|----|
| 王中令 | 1 |
| 安鸿渐 | 2 |
| 车武子妇 | 3 |
| 妒画 | 3 |
| 妒花 | 4 |
| 任瓌二姬 | 5 |
| 妒妇津 | 6 |
| 人鸡相妒 | 7 |
| 贺丧妻 | 8 |
| 不乐富贵 | 9 |
| 面首 | 10 |
| 唐无家法 | 11 |
| 不禁内 | 12 |
| 刘氏诗题 | 13 |

| | |
|--------|----|
| 肥 | 14 |
| 伟妓 | 16 |
| 短小 | 16 |
| 貌寝陋 | 17 |
| 身短面长 | 18 |
| 面黑 | 19 |
| 黑白不均 | 20 |
| 涅文 | 22 |
| 项安节 | 22 |
| 秃 | 23 |
| 白发白须 | 24 |
| 貌类猴 | 26 |
| 两头抵 | 27 |
| 麻胡 | 28 |
| 偏盲 | 28 |
| 假睛 | 31 |
| 卷耳 | 32 |
| 口吃 | 33 |
| 三短 | 36 |
| 秃眇跛倭同聘 | 37 |
| 恶疾 | 38 |
| 夫妇 | 39 |
| 异相 | 40 |
| 人疴 | 41 |

| | |
|-----------------|----|
| 半头····· | 44 |
| 头断复连····· | 45 |
| 无头人····· | 46 |
| 勇士庙····· | 48 |
| 无头亦佳····· | 49 |
| 人妖····· | 50 |
| 魏武····· | 52 |
| 《朝野僉载》两孝子事····· | 54 |
| 崔、张豪侠····· | 55 |
| 干红猫····· | 58 |
| 一钱诤百金····· | 59 |
| 乘驴妇····· | 61 |
| 京都道人····· | 62 |
| 丹客····· | 63 |
| 《耳谭》二溺僧····· | 66 |
| 吞舍利····· | 68 |
| 易术····· | 69 |
| 巫····· | 70 |
| 黄铁脚····· | 71 |
| 窃磬····· | 72 |
| 伪跛、伪蹩····· | 73 |
| 何大复《蹩盗篇》····· | 74 |
| 智妇····· | 76 |
| 诘盗智····· | 77 |

| | |
|------------|-----|
| 黠竖子····· | 78 |
| 日者····· | 79 |
| 孙兴公嫁女····· | 80 |
| 节日门状····· | 81 |
| 术制继母····· | 82 |
| 制妒妇····· | 83 |
| 金还酒债····· | 85 |
| 石动筩····· | 86 |
| 能言鸭····· | 87 |
| 靴值····· | 88 |
| 酒令····· | 89 |
| 鸣鞭为度····· | 90 |
| 偷驴····· | 91 |
| 米老庵····· | 92 |
| 兰玻····· | 93 |
| 爱东坡····· | 94 |
| 对语····· | 95 |
| 堂候官····· | 96 |
| 古物····· | 97 |
| 皁饭、糞饭····· | 99 |
| 马郁····· | 100 |
| 张咸光····· | 101 |
| 驼峰····· | 102 |
| 张端····· | 103 |

| | |
|----------|-----|
| 钱、文相谑 | 103 |
| 杨南峰 | 105 |
| 王梦泽 | 107 |
| 庄乐 | 108 |
| 朱达悟 | 109 |
| 石鞑子 | 111 |
| 翟永龄 | 112 |
| 袁汝南 | 114 |
| 画梅 | 116 |
| 景清假书 | 116 |
| 祀真武 | 117 |
| 滕元发 | 118 |
| 呼如周名 | 119 |
| 宋太祖乡邻 | 120 |
| 刘贡父 | 121 |
| 论扬子云 | 122 |
| 箕仙 | 123 |
| 痔字 | 124 |
| 比玉居 | 125 |
| 朱古民 | 126 |
| 晏子 | 127 |
| 晏子、马氏语相似 | 128 |
| 《尔汝歌》 | 130 |
| 诸葛恪(一) | 130 |

| | |
|----------------|-----|
| 元孚 | 131 |
| 贾玄 | 132 |
| 东方朔 | 133 |
| 孔文举 | 134 |
| 王元泽 | 136 |
| 裴略 | 137 |
| 里行御史 | 138 |
| 隋士 | 139 |
| 侯白 | 141 |
| 参禅偈 | 144 |
| 六眼龟 | 145 |
| 解缙 | 146 |
| 镜新磨 | 148 |
| 黄幡绰 | 149 |
| 公猴 | 150 |
| 诸葛恪(二) | 151 |
| 徐陵聘魏 | 152 |
| 赵孟頫、周草窗对 | 153 |
| 狼驴 | 154 |
| 原父酬欧公 | 155 |
| 王、范 | 156 |
| 费侍郎对 | 157 |
| 侍郎谑 | 158 |
| 洗马 | 159 |

| | |
|--------|-----|
| 增广、检讨 | 160 |
| 试官举子 | 161 |
| 儒匠 | 161 |
| 东坡、佛印 | 162 |
| 钱索子 | 164 |
| 羊蟹 | 165 |
| 梁宝、赵神德 | 166 |
| 欧阳、长孙 | 167 |
| 苏小妹 | 168 |
| 徐之才 | 169 |
| 张玄祖 | 169 |
| 虞寄 | 170 |
| 何、顾 | 171 |
| 二柳孤杨 | 171 |
| 归、皮 | 172 |
| 卢、狄 | 173 |
| 庾、孙二子 | 173 |
| 王慈 | 174 |
| 达毅、王达 | 175 |
| 铁冠道人 | 176 |
| 杨、李二公 | 177 |
| 陆封公对 | 178 |
| 刘宝遇女媪 | 178 |
| 戴釜山鹿鸣 | 179 |

| | |
|---------------|-----|
| 祠灵山河伯 | 180 |
| 禁酿具 | 181 |
| 《陶母剪发图》 | 182 |
| 新衣 | 182 |
| 彭祖面长 | 183 |
| 医意 | 184 |
| 为宅 | 185 |
| 请住僧院 | 186 |
| 辟僧 | 186 |
| 辨鬼 | 187 |
| 论神佛 | 188 |
| 苏公论佛 | 189 |
| 妓歌佳 | 190 |
| 观灯 | 191 |
| 红米饭 | 192 |
| 道学语 | 192 |
| 《列子》辩日 | 193 |
| 《字说》 | 194 |
| 稊里 | 196 |
| 赋柳 | 196 |
| 争田 | 197 |
| 六字地名 | 198 |
| 争姓族 | 199 |
| 犯夜 | 199 |

| | |
|----------------|-----|
| 捕蝗檄 | 200 |
| 贪令 | 201 |
| 海瑞非圣人 | 201 |
| 怀绳见王 | 202 |
| 营丘士 | 204 |
| 千岁 | 206 |
| 舍命陪君子 | 206 |
| 鸡肋 | 207 |
| 靳阁老子 | 207 |
| 口欢手怒 | 209 |
| 安给事生辰 | 209 |
| 太公年 | 210 |
| 死后佳 | 211 |
| 大八字 | 212 |
| 鲇鱼上竹竿 | 213 |
| 枝头干 | 214 |
| 孙少卿 | 215 |
| 宋太宗语 | 215 |
| 可笑事 洛中新事 | 216 |
| 大夏男 新建伯 | 218 |
| 石学士 | 219 |
| 东王公 | 219 |
| 周文襄 | 220 |
| 三甲进士 | 220 |

| | |
|------------|-----|
| 延平府 | 221 |
| 孔掾吏 | 222 |
| 如厕谑 | 223 |
| 目送美姝 | 224 |
| 西施山 | 224 |
| 银花合 | 225 |

王 中 令



王中令铎镇渚官^①，为都统以据黄寇；兵渐近。先是，赴镇以姬妾自随，其内未行，本以妒忌。忽报夫人离京在道。中令谓从事曰：“黄巢渐以南来，夫人又自北至。且夕情味，何以安处？”幕僚戏曰：“不如降黄巢。”公亦大笑。

注释：

①渚官：春秋时楚的别宫，故址在湖北江陵县城内，现为荆州。

译文：

中令王铎作为都统镇守渚官，抵抗黄巢的军队；黄巢的军队越来越近。这之前，赴行镇守渚官只把姬妾带在身边，他的妻子没有来，他的妻子本来就妒忌著称。忽





然接到报告说夫人离开京城在路上。中令对从事说：“黄巢的军队逐渐从南边过来，夫人又从北边到来。早晚的情味，该怎么处置？”幕僚开玩笑说：“不如投降黄巢。”中令也大笑。

安 鸿 渐



安鸿渐滑稽惧内。妇翁死，哭于路。妇性素严，呼入幕中，诟之曰：“何因无泪？”安曰：“以帕拭干。”妇曰：“来日早临棺，须见泪！”安计窘，来日以宽巾纳湿纸额上，大叩其额而恸。恸罢，其妇又呼入，诟之曰：“泪出于眼，何故额流？”安曰：“岂不闻水出高源？”

译文：

安鸿渐生性滑稽，害怕老婆。岳父去世，在路上哭祭。妻子一向严厉，把他叫到幕中，责备说：“为什么没有眼泪？”安鸿渐说：“用手帕擦干了。”妻子说：“明天早上到了棺材前，一定要有泪！”安鸿渐没有办法，第二天用宽手巾包了些湿纸裹在额上，打着前额大哭。哭完，他的妻子又把他叫进去，骂他说：“眼泪应该从眼睛里出来，为什么从额头上流？”安鸿渐回答说：“你难道没有听说过水从高处流吗？”

车武子妇

车武子妇妒。武子偶偕妇兄夜归，留宿外馆，取一绛裙挂屏上。妇出窥，疑有所私，拔刀径上床。发被，乃其兄也，惭而退。

译文：

车武子的老婆生性妒忌。武子一次夜里带着自己的内兄回来，住在外屋，取一条绛色的裙子挂在围屏上。他老婆出来偷看，见此情景，怀疑丈夫爱着别的女人。于是拔出刀来径直走到床边，掀开被子，发现是自己的哥哥，惭愧地退了回去。

妒 画

刘瑱妹为鄱阳王妃，性极妒。王为明帝所诛，妃追伤成疾。瑱不能止，乃令殷茜画王与宠妃照镜状，如欲偶寝，以示妃。妃唾骂曰：“故宜早死！”病亦寻愈。

